(भू–स्वामियों हेतु)

आवेदक की फोटो

सेवा में,

श्रीमान उपायुक्त जोन–06,
जयपुर विकास प्राधिकरण
जयपुर ।

सर्वे क्रमांक..................
टीम नं......................

विषय : झोटवाडा आर.ओ.बी. एवं एलिवेटेड रोड के निर्माण से प्रभावित भूमि/भूखण्ड संख्या .... में से प्रभावित क्षेत्रफल .... के मुआवजे स्वरूप ज्योतिबा फूले रिटेल व्यावसायिक योजना में जरिये लाटरी आवंटित व्यावसायिक भूखण्ड संख्या .... कुल क्षेत्रफल .... के आवंटन पत्र जारी करने बाबत।

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत निवेदन है कि प्रार्थी का भूमि/भूखण्ड संख्या .... क्षेत्रफल .... झोटवाडा आर.ओ.बी. एवं एलिवेटेड रोड के निर्माण से प्रभावित है। मैं उक्त भूमि का मालिक हूं। मुझे प्रभावित क्षेत्रफल के मुआवजे स्वरूप जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जरिये लाटरी ज्योतिबा फूले रिटेल व्यावसायिक योजना में व्यावसायिक भूखण्ड संख्या .... क्षेत्रफल .... का आवंटन किया गया है। अतः प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन है कि मुझे उक्त आवंटित भूखण्डो का आवंटन पत्र जारी किया जावे।

प्रार्थी

दिनांक ....

संलग्न :–

1. स्वामित्व सम्बन्धी दस्तावेजो की स्व–प्रमाणित प्रतिलिपियां।
2. क्रय/विरासत के सम्बन्ध में प्रकरण में सम्बन्धित दस्तावेजो की स्व–प्रमाणित प्रति।
3. क्षतिपूर्ति अनुबन्ध पत्र (200/– रू. के स्टाम्प पर)
4. शपथ पत्र (50/– रू. के स्टाम्प पर)
5. अन्डर टेकिंग (500/– रू. के स्टाम्प पर)
6. अपनी पहचान हेतु पहचान पत्र/ आधार कार्ड की स्व–प्रमाणित प्रति।

200/— का स्टाम्प पैपर

<u>क्षतिपूर्ति अनुबन्ध पत्र</u>

मैं .... पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री .... उम्र .... वर्ष निवासी .... का हूँ । यह है कि भूमि/भूखण्ड स्थित ग्राम .... तहसील .... खसरा नम्बर/भूखण्ड संख्या .... की भूमि व निर्मित तामीरात झोटवाडा आर.ओ.बी/एलिवेटेड रोड के निर्माण से प्रभावित है, जिसका मैं भू–स्वामी हूं।

यह है कि मैं/हम उपरोक्त लिखित अपनी भूमि एवं निर्मित तामिरात जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर के पक्ष मे समर्पित करता हूँ। मेरे द्वारा उपरोक्तानुसार समर्पित भूमि में स्वामित्व आदि के संबंध में भविष्य में यदि कोई विवाद पाया जाता है या उत्पन्न होता है तो उसका निराकरण जविप्रा के हितो को क्षति पहुचाये बिना मैं स्वयं करने हेतु वचनबद्ध रहूंगा। हमारे एवं जविप्रा के मध्य सम्पन्न समझौते के निष्पादन से यदि जविप्रा के हितो को भविष्य में कोई क्षति उक्त विवादो से पहुँचती है तो उसकी क्षतिपूर्ति हेतु मैं वचनबद्ध हूं।

हस्ताक्षरकर्ता (क्षतिपूर्ति अनुबन्धकर्ता)
नाम : ....
पिता का नाम : ....
पता : ....

दिनांक : ....
स्थान : ....

50/— का स्टाम्प पेपर

शपथ पत्र

मैं .... पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री .... उम्र .... वर्ष निवासी .... का हूँ । यह है कि भूमि/भूखण्ड स्थित ग्राम .... तहसील .... खसरा नम्बर/भूखण्ड संख्या .... की भूमि व निर्मित तामीरात झोटवाडा आर.ओ.बी/एलिवेटेड रोड के निर्माण से प्रभावित है, जिसका मैं भू—स्वामी हूं।

यह है कि झोटवाडा आर.ओ.बी. के निर्माण से प्रभावित भूमि/भूखण्ड/निर्मित तामीरात के सम्बन्ध में क्षतिपूर्ति बंध पत्र प्रस्तुत कर दिया गया हैं ।

मेरे हिस्से के उपरोक्त वर्णित भूमि/भूखण्ड/निर्मित तामीरात के संबंध में निम्न प्रकार शपथ पूर्वक घोषणा करता हूँ कि :—

1. यह है कि प्रभावित भूमि/भूखण्ड/निर्मित तामीरात के समर्पण के फलस्वरूप जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा मुझे महात्मा ज्योतिबा फूले रिटेल व्यावसायिक योजना में जरिये लाटरी से भूखण्ड संख्या .... कुल क्षेत्रफल .... आवंटित किया गया है। इसे मैं प्रभावित भूमि/भूखण्ड के मुआवजे के सम्बन्ध में अन्तिम रूप से स्वीकार करता हूं तथा यह बयान करता हूं कि मेरे द्वारा भविष्य में किसी भी प्रकार के मुआवजे की मांग नही की जावेगी। मैं इसके लिये वचनबद्ध हूं।
2. समर्पित की जा रही भूमि/भूखण्ड के संबंध में मेरे द्वारा पूर्व में मुआवजे की किसी भी प्रकार की राशि/भूमि/भूखण्ड प्राप्त नही किया गया है, ना ही समर्पित भूमि कही रहन रखी गई हैं ना ही पूर्व में किसी प्रकार से विक्रय/हस्तांतरित की गयी हैं ।
3. यह है कि मेरे द्वारा समर्पित की जाने वाली भूमि का मैं एक मात्र स्वामी व वैध कब्जेधारी हूं, जो क्षतिपूर्ति बंध पत्र में वर्णित है जिसका मैं शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ ।
4. मै घोषणा करता हूँ कि मेरे द्वारा निष्पादित क्षतिपूर्ति बंध पत्र व अण्डर टेकिंग में अंकित समस्त तथ्य सही हैं । इसकी मै व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेता हूँ । मैने कोई तथ्य नही छुपाया हैं । इस संबंध में आज से पूर्व या पश्चात यदि कोई उज्र/विवाद होगा तो उसका निपटारा भी मेरे द्वारा अपने हर्जे खर्चे पर कराया जावेगा ।
5. उपरोक्त शर्त संख्या 1 से 4 तक सूचना मिथ्या होने की स्थिति में जयपुर विकास प्राधिकरण में निर्धारित दायित्व निष्पादित करने हेतु उत्तरदायी नही होगा एवं मेरा दावा स्वत ही निरस्त समझा जावेगा ।

हस्ताक्षर शपथग्रहिता

सत्यापन

यह है कि उक्त शपथ पत्र के स्तम्भ 1 से 5 तक की सूचना मेरी निजी जानकारी के अनुसार पूर्ण सत्य हैं, इसमें मैने कोई भी तथ्य नही छुपाया है। ईश्वर साक्षी है।

हस्ताक्षर शपथग्रहिता

500/— का स्टाम्प पेपर

<u>अण्डरटेकिंग</u>

मैं .... पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री .... उम्र .... वर्ष निवासी .... का हूँ । यह है कि भूमि/भूखण्ड स्थित ग्राम .... तहसील .... खसरा नम्बर/भूखण्ड संख्या .... की भूमि व निर्मित तामीरात झोटवाडा आर.ओ.बी/एलिवेटेड रोड के निर्माण से प्रभावित है, जिसका मैं भू—स्वामी/किरायेदार हूं। मैं निम्नानुसार अण्डरटेकिंग देता हूं कि:—

1 यह है कि भूमि/भूखण्ड स्थित ग्राम .... तहसील .... खसरा नम्बर/भूखण्ड संख्या .... की भूमि व निर्मित तामीरात झोटवाडा आर.ओ.बी/एलिवेटेड रोड के निर्माण से प्रभावित है। मैं उक्त भूमि का खातेदार/हितधारी/मूल खातेदार की मृत्यु के बाद वारिस/क्रेता/अन्तिम क्रेता/किरायेदार हूं।

2 यह है कि मेरे द्वारा उक्त निर्माण से प्रभावित भूमि को समर्पण के फलस्वरूप मुआवजे स्वरूप विकसित भूमि का आवंटन करने हेतु जविप्रा को आवेदन प्रस्तुत किया है।

3 यह है कि उक्त निर्माण से प्रभावित भूमि का मेरे द्वारा अब तक नगद मुआवजा प्राप्त नही किया है।

4 यह है कि प्रभावित भूमि के स्वामित्व या हक के बारे में भविष्य में कोई विवाद पैदा होता है या किसी तृतीय पक्ष के अधिकार उत्पन्न होते है, जिससे जविप्रा को कोई भी हानि होती है तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी मेरी होगी तथा जयपुर विकास प्राधिकरण को मुआवते स्वरूप आवंटित की गई भूमि की लीजडीड निरस्त कर उपरोक्त भूमि का कब्जा वापस प्राप्त करने का सम्पूर्ण अधिकार होगा।

5 यह है कि मैं प्रभावित भूमि के मुआवजे स्वरूप आवंटित की गई भूमि मुआवजे के रूप में अन्तिम रूप से स्वीकार करता हूं। मेरे द्वारा भविष्य में किसी भी प्रकार से अन्य मुआवजे की मांग नही की जावेगी तथा जविप्रा को प्रभावित भूमि को कब्जे में लेकर तथा प्रभावित पुख्ता निर्मित तामीरात को ध्वस्त कर एलिवेटेड सडक निर्माण करने का अधिकार होगा।

6 यह है कि यह अण्डरटेकिंग जविप्रा द्वारा निर्माणाधीन झोटवाडा आर.ओ.बी/एलिवेटेड रोड से प्रभावित भूमि स्थित ग्राम ....तहसील .... के भूखण्ड संख्या ....क्षेत्रफल .... का नगद मुआवजे के स्थान पर मुआवजे स्वरूप विकसित भूमि चाहने के समर्थन में प्रस्तुत है।

हस्ताक्षर